मूल्य - 5 रु.

तारांशु

मासिक

अक्टूबर - 2020

वर्ष 8, अंक 7, पृ.सं. 20

प्रस्तावित नवीन ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम का भूमि पूजन समारोह

नवीन ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम''

के निर्माण हेतु योगदान योजना

जब किसी काम को करने में बहुत से हाथ जुड़ जाते हैं तो वो काम आसान तो होता ही है साथ में पवित्र भी हो जाता है। एक पावन कार्य के स्वरूप में तारा संस्थान **''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम''** का निर्माण करने जा रहा है और इसमें आप सबका सहयोग भी मिले तो बेहद खुशी होगी। आपके दान को स्मृति स्वरूप भवन पर आपके नाम या आपकी इचछानुसार किन्हीं परिजनों के नाम के रूप में अंकित किया जाएगा। आशा है कि छोटी सी ही सही एक आहुती आपकी भी इस भवन के लिए होगी।

भवन निर्माण सौजन्य राशि :

भवन निर्माण सहयोगी ''दधीचि''	रु. 1,00,000/-
भवन निर्माण सहयोगी ''कर्ण''	रु. 51,000/-
भवन निर्माण सहयोगी ''भामाशाह''	रु. 21,000/-

तारा संस्थान - उदयपुर

236, हिरण मगरी, सेक्टर 6, उदयपुर (राज.)

मो. नं. +91 95493 99993, +91 96493 99993

Email : info@tarasansthan.org, Website : www.tarasansthan.org

प्रभु हमें वैसे ही देते हैं जैसे गेहूँ देता है, हम एक कण बोते हैं और सौ कण पाते हैं।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांकः
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
समाजसेवी, दिल्ली

श्री प्रताप सिंह तलेसरा
संरक्षक, तारा संस्थान, उदयपुर

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुण सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

तारांशु - वर्ष 8, अंक - 7, अक्टूबर - 2020

अनुक्रमणिका

विषय — पृष्ठ संख्या

''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम'' नवीन परिसर के निर्माण हेतु योगदान योजना 02
अनुक्रमणिका....03
लेख : 1 पुनर्संवाद 04-05
ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर का विधिवत भूमि पूजन....06
आनन्द वृद्धाश्रम 07
तारा नेत्रालय....08-09
तृप्ति योजना....10
गौरी योजना 11
ओमदीप प्रसाद योजना 12
सावधान....13
न्यूज ब्रीफ....14-17
धन्यवाद / अभिनन्दन / हार्दिक श्रद्धांजलि 18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान 19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में, साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

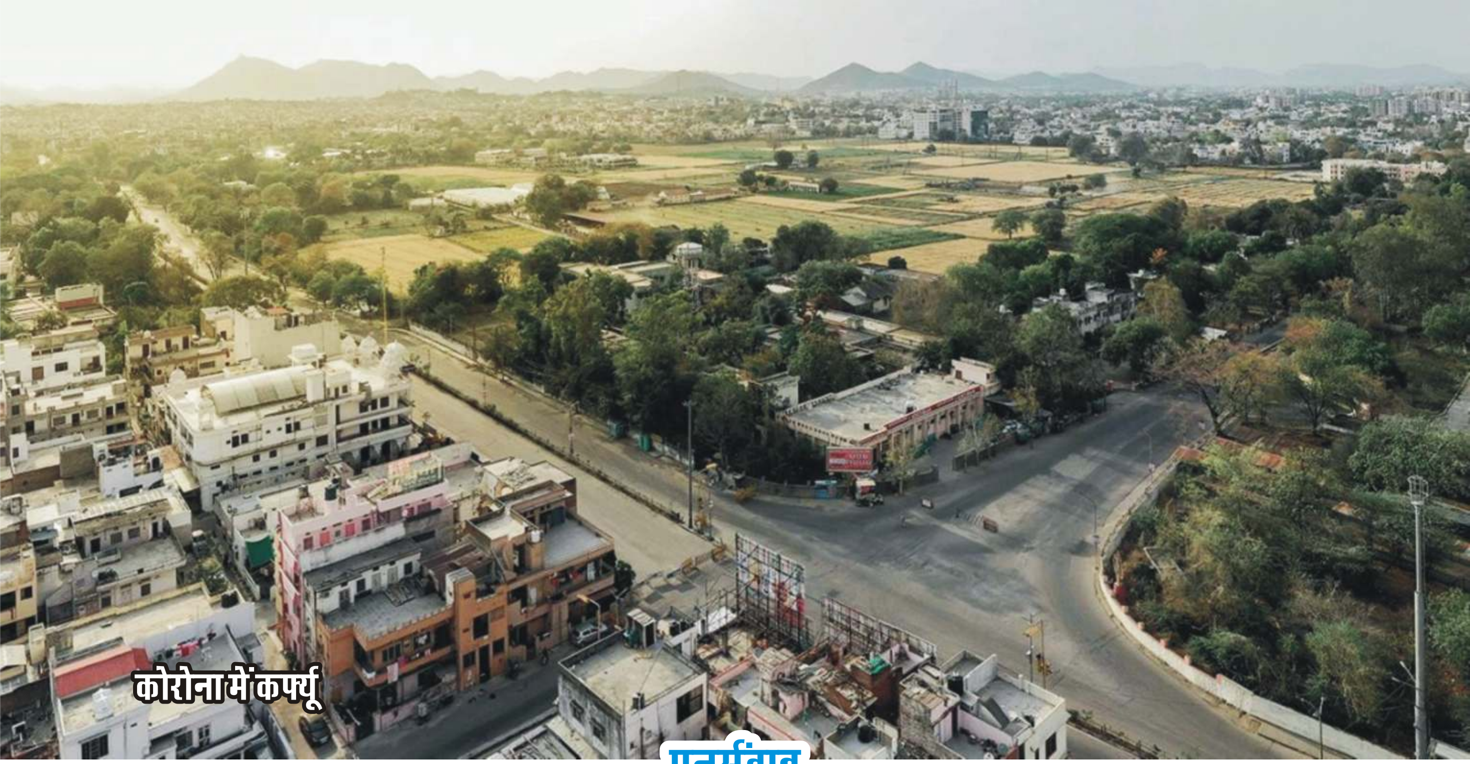

पुनर्संवाद

परिवार का कोई भी सदस्य कुछ दिनों से सम्पर्क में ना होवे तो लगता है कि कुछ खालीपन आ गया है। 7 महीने का समय हो गया आप हम और ''तारांशु'' के माध्यम से नहीं मिले तो ऐसा लग रहा है मानो बहुत कुछ छूट गया है। वैसे तो तारांशु एक तरफा संवाद का प्लेटफॉर्म है जहाँ हम आपको तारा संस्थान की गतिविधियों के बारे में बताते हैं और कभी अपने मन की बात भी आपसे बाँट लेते हैं, बाँटने से सुख बढ़ता है और दुःख हल्का हो जाता है, ये सृष्टि का नियम है। लेकिन, ये एक तरफा संवाद भी दुतरफा हो जाता है जब आप अपने पत्र फोन या मैसेज के जरिए अपनी भावनाएँ भेजते हैं। तारा संस्थान को काम करते हुए 9 साल से ज्यादा हो गए तब से यह संवेदनाओं का आदान प्रदान निरंतर जारी रहा और इस सबके कारण ही सेवाकार्य हो पाये। व्हॉट्सएप से थोड़ा प्रयास भी किया कि आपको संस्थान की जानकारी देते रहें और मैसेज से दान की अपील भी की कि कम–से–कम 3 माह तक 5000/– रु. आप लोग यदि दे तो संस्थान की गतिविधियाँ लॉकडाउन में भी चलाने में मदद मिले। मेरे पास शब्द ही नहीं है कि आप सभी ने हमें उस समय सहयोग दिया जब आप खुद भी तकलीफ में थे और उस भाव को धन्यवाद देना भी बहुत ही छोटा होगा तो बस उसके लिए आपको अनेक प्रणाम। आप में से कुछ के तो मैसेज भी आए कि हम बैंक जाने में असमर्थ हैं और कुछ दानदाताओं ने काम काज सही ना होने के कारण भी अपनी असमर्थता बताई। थोड़ा आप सबने दिया, थोड़ा हमने खर्चों में कटौती की और इस मुश्किल वक्त को निकाल दिया।

तारा संस्थान के कामकाज का सार निकालें तो हमने लॉकडाउन के महीनों में सारे हॉस्पीटल बंद कर दिए और जैसे–जैसे लॉकडाउन खुला, हॉस्पीटल भी खोले। निश्चित तौर पर कोरोना का भय ऐसा था कि डॉक्टर साहेबान और हॉस्पीटल स्टॉफ भी डरा हुआ था लेकिन काम तो करना ही था सो अब सावधानियों के साथ सभी 5 अस्पतालों में मोतियाबिन्द के ऑपरेशन हो रहे हैं। वृद्धाश्रम चलते रहे वहाँ के मैनेजर, बाइयाँ आदि लॉकडाउन/कर्फ्यू में भी जाते थे। हमारे ड्राइवर भी उस कठिन समय में भी बुजुर्गों को हॉस्पीटल लाने ले जाने का कार्य करते रहे। किसी के मन में एक बार भी यह नहीं आया कि कर्फ्यू है और मैं काम कर रहा हूँ सबने अपनी जिम्मेदारी समझी और हमारे बुजुर्गों को भी ये लगा होगा कि घर में भी लॉकडाउन के समय उतनी अच्छी देखभाल नहीं हुई होती जितनी यहाँ हुई।

तृप्ति योजना के लाभार्थियों को एक साथ 3–4 महीने का सामान और नकद दे दिया। गौरी योजना में तो खाते में पैसा डालते हैं सो उसमें कोई दिक्कत नहीं थी। बच्चों का स्कूल तो चला नहीं लेकिन अध्यापिकाएँ अपनी तरफ से प्रयास कर रही हैं कुछ वीडियो बना कर बच्चों को भेजने का, हालांकि काफी बच्चों के माता–पिता के पास स्मार्टफोन नहीं है, सो दिक्कत तो है।

शेष अगले पृष्ठ पर...

प्रभु की सबसे अच्छी प्रार्थना तब होती है जब हम प्रभु की अच्छाइयों के अनुरूप अपने आपको ढाल लेते हैं।

....पिछले पृष्ठ से जारी

ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम का भूमि पूजन

निर्माण कार्य प्रगति पर

वो ऐसा है ना कि बच्चे क्या कर रहे हैं उसकी रिपोर्टिंग अपने माता–पिता या बड़ों को करते हैं ना ऐसा ही कुछ आपको ये सब बताते हुए लग रहा है और आप सब भी तो हमें वैसा ही स्नेह देते हैं तो ये जानने का हक भी है आपको।

श्री ओमप्रकाश जी मल्होत्रा व श्रीमती दीपा जी मल्होत्रा

नयी गतिविधियों में ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम'' का भूमि पूजन और निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है। उम्मीद है कि आप सबके आशीर्वाद और सहयोग से और अधिक बुजुर्गों के लिए एक और घर बनकर तैयार हो जाएगा। वैसे तो सालभर ही हमारे पास बुजुर्गों के पत्र या फोन आते ही थे वृद्धाश्रम में रहने के लिए पर लेकिन लॉकडाउन के समय इनकी संख्या बढ़ गई। ऐसा लगता है कि कई अकेले बुजुर्ग जो घरों में बंद थे तो परेशान हो गए। इसके साथ ही उदयपुर में **''ओमदीप हॉस्पीटल एवं डाइग्नोस्टिक सेंटर''** भी इसी नवरात्रि में प्रारम्भ होगा जिसमें आधी दरों पर सारी जाँचें व रियायती दर पर फिजिशियन की सलाह भी मिलेगी। उक्त दोनों ही प्रकल्पों में मुख्य सहयोगी आदरणीय ओमप्रकाश जी और दीपा जी मल्होत्रा हैं जो अभी फरीदाबाद में रह रहे हैं और आपने ही फरीदाबाद वृद्धाश्रम का भवन भी हमें दिया है।

कभी–कभी कहने सुनने को इतना होता है कि समझ ही नहीं आता कि क्या कहें और क्या नहीं, ऐसा ही कुछ अभी मुझे लग रहा है। मन में यह आशा हिलोरे ले रही है कि बस जल्दी से ये कोरोना काल खत्म हो और हम एक बड़ा सा कार्यक्रम रखें, फिर आप और हम मिलें, कुछ हँसी–ठहाके, गप्पें, गिले–शिकवे सब कुछ हो। मुझे पता है कि अभी ये दूर है पर मेरी उम्मीद पे तो मेरा हक है ना, मुझे विश्वास है कि आप भी ऐसा ही कुछ सोच रहे होंगे। हम तो हैं ही सामाजिक प्राणी, थोड़ा खाना–पीना कम हो तो चला लेंगे लेकिन अपनों का साथ ना हो तो दो कदम चलना भी मुश्किल हो जाए।

ओमदीप हॉस्पीटल एवं डाइग्नोस्टिक सेंटर का मशीन पूजन

आपसे बस यही Request है कि थोड़ी सी सावधानी आप भी रखें और हम भी, और ऐसा ही हमारे परिजनों से भी रखवाएँ ताकि जब मिलें तो बाँटने को अपार अपार खुशियाँ हों। जैसे मैंने आपसे अपने दिल की बात की वैसा आप भी हमें लिख सकते हैं। हमें भी अच्छा लगेगा आपकी इन विशेष परिस्थितियों के अनुभव की जानकारी से। आपश्री का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहे इसी कामना के साथ.....

सादर....

– कल्पना गोयल

उठो और शुक्रिया करो भगवान् का जिसने एक और सुबह दी है।

ओमदीप आनंद वृद्धाश्रम, उदयपुर का विधिवत भूमि पूजनः

भूमि पूजन समारोह : (बाएं से) श्रीमती कमला देवी अग्रवाल, (डॉ.) कैलाश 'मानव' व श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान वर्तमान में देश के तीन शहरों उदयपुर, फरीदाबाद व प्रयागराज में वृद्धाश्रम संचालित करता है जिनमें लगभग 150 बुजुर्ग अपने हमउम्र साथियों के साथ खुशी–खुशी जीवन की संध्या बिता रहे हैं। उन्हें रहने, खाने, स्वास्थ्य व मनोरंजन आदि की सम्पूर्ण सुविधाएँ पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की जाती है।

तारा संस्थान को आए दिन वृद्धजनों अथवा उनके परिजनों के फोन वृद्धाश्रम में प्रवेश हेतु आते रहते हैं। चूंकि वर्तमान में तीनों वृद्धाश्रम लगभग भर चुके हैं तो एक और नवीन वृद्धाश्रम की आवश्यकता काफी समय से महसूस हो रही थी। ऐसे समय में पेरिस (फ्रांस) निवासी श्री ओम प्रकाश मल्होत्रा जी व श्रीमती दीपा मल्होत्रा तुरंत मदद को आग आए एवं उन्होंने नवीन वृद्धाश्रम की इमारत हेतु सहयोग सौजन्य किया है। इस वृद्धाश्रम का नाम ''ओम दीप आनन्द वृद्धाश्रम'' होगा, यह वृद्धाश्रम सेक्टर 14, उदयपुर में एक प्लॉट पर बनाया जाना प्रस्तावित है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि मल्होत्रा दम्पति ने फरीदाबाद स्थित ''ओम दीप आनन्द वृद्धाश्रम'' हेतु इमारत दान दी थी।

इसी क्रम में 11 जून, 2020 को ''ओमदीप आनंद वृद्धाश्रम'', सेक्टर–14 उदयपुर का विधिवत भूमि पूजन समाजसेवी मल्होत्रा दम्पति के पावन कर कमलों द्वारा किया गया। आदरणीय श्री (डॉ.) कैलाश 'मानव' (संस्थापक, नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर) व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कमला अग्रवाल ने समारोह में आशीर्वाद प्रदान किया।

ओम दीप आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर लगभग डेढ़ वर्ष में बन कर तैयार होगा जिसमें कोई 150 बुजुर्गों के रहने की व्यवस्था होगी।

जब हम सच्चे मन से प्रभु को खोजते हैं तो प्रभु अपनी मौजूदगी का अहसास हमें जरूर करवायेंगे।

मेरा दावा है कि इस जैसा वृद्धाश्रम देश में कहीं नहीं है: श्री बृजमोहन शर्मा

75 वर्षीय श्री बृजमोहन शर्मा व उनकी पत्नी श्रीमती उषा शर्मा विदिशा (मध्य प्रदेश) से हैं। श्री शर्मा प्राइवेट जॉब करते थे और श्रीमती शर्मा हाउसवाइफ थी। इनके कोई बाल बच्चे नहीं हैं ना ही उनके पास स्वयं का घर है इसलिए उम्र दराज होने पर सोचा कि कहीं ऐसी जगह रहा जाए जहां सब हमउम्र के लोग हिल–मिलकर प्रेम से रहते हों। उन्होंने काफी तलाश की फिर आखिरकार उनकी भाँजी जो उदयपुर में ही रहती है उन्होंने आनंद वृद्धाश्रम उदयपुर की जानकारी दी तो शर्मा दंपत्ति यहां आ गए। जब उन्होंने यहाँ की व्यवस्था देखी तो आश्चर्य चकित हो गए। उन्होंने अपनी खोज में देशभर के अनेक वृद्धाश्रम देखे लेकिन उन्होंने पाया श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम, उदयपुर जैसा देश भर में कहीं नहीं है, अपने अनुभव से ऐसा कहते हैं। शर्मा दंपत्ति फरवरी 2020 में यहाँ प्रवेश लेने आ गए तो उन्हें एक कमरा अलॉट किया गया। कुछ ही दिनों में शर्मा दंपत्ति यहां रह रहे अपनी हम उम्र लोगों के साथ से घुल मिल गए। श्रीमती उषा और श्री बृजमोहन शर्मा आज बड़े आनंद से इस आश्रम में रह रहे हैं। उन्हें समस्त सुविधाएं जैसे : रहना, खाना, चिकित्सा तथा मनोरंजन आदि पूरी तरह से निःशुल्क हैं। शर्मा दंपत्ति तारा संस्थान के दानदाताओं को धन्यवाद देते हुए अपील करते हैं कि बुजुर्ग लोगों की खुशहाली के लिए दान इसी प्रकार देते रहें एवं हमारी दुआएँ प्राप्त करें।

वृद्धाश्रम में मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति
01 वर्ष 60000 रु.	06 माह 30000 रु.	01 माह 5000 रु.	3500 रु. (एक समय)

तारा नेत्रालयों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन

पिछले महीनों कोरोना महामारी के चलते तारा नेत्रालय लगभग ढाई माह तक बंद रहने के पश्चात् अब पुनः खुल गए हैं एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन भी किए जा रहे हैं। हालांकि अभी कोरोना संकट टला नहीं हैं एवं अस्पताल जैसी जगहों पर इसके संक्रमण का खतरा अत्यधिक रहता है परन्तु तारा नेत्रालयों में समस्त सावधानियों के साथ सारी प्रक्रियाएँ पूर्ण की जा रही हैं।

मुख्य द्वार पर थर्मल टेंपरेचर जाँच व मास्क आवश्यक

सेनिटाइजर मशीन पर हाथ साफ करते हुए आगन्तुक

ओपीडी में 2 गज दूरी पर बिठाए गए मरीज

ऑप्टोमेट्री कक्ष में भी दूरी व मास्क आवश्यक

डॉक्टर (पी.पी.ई. किट) में व मरीज (मास्क में) दूरी बनाकर सलाह व जाँच

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन 51000 रु.	09 ऑपरेशन 27000 रु.	06 ऑपरेशन 18000 रु.	03 ऑपरेशन 9000 रु.	01 ऑपरेशन 3000 रु.

प्रभु हर जगह है इसलिए आप सब जगह प्रार्थना कर सकते हैं।

कोरोना लॉकडाउन के दौरान मरीजों को क्या परेशानी झेलनी पड़ी ?

अस्पताल पुनः खुलने के पश्चात् यहाँ आए कुछ मरीजों से हमने बातचीत की कि कोरोना लॉक–डाउन के दौरान उन्हें आँखों की समस्या को लेकर क्या–क्या परेशानी झेलनी पड़ी :

केस 1: श्रीमती हीरकी बाई : आरनिया (लसाडिया) गाँव की लगभग 70 वर्षीय श्रीमती हीरकी बाई को कोरोना लॉकडाउन के दिनों में बाईं आँख में तीव्र दर्द होने लगा लेकिन लॉक–डाऊन की सख्ती के चलते किसी अस्पताल जान तो दूर, घर से बाहर तक नहीं निकल पाई थी। उनके दो मजदूर लड़कों ने इधर–उधर फोन करके पूछताछ् की लेकिन कोई रास्ता नही सुझा। तो इस वृद्धा ने लगभग ढाई महीने आँख के भयंकर दर्द को झेल कर समय गुजारा। अब जब लॉक–डाऊन की पाबंदी हटी तो वह अपने लड़कों के साथ तारा नेत्रालय उदयपुर दौड़ी चली आई। कहती है कि भींडर प्राथमिक चिकित्सालय के डॉक्टर ने उसे तुरंत तारा नेत्रालय जाने की सलाह दी। तारा नेत्रालय में जाँच के बाद डॉक्टर ने कहा कि यहाँ आने में कुछ दिन और देरी की होती तो आँख चली जाती। ऑपरेशन के पश्चात् मरीज खुश है कि वह स्पष्ट देख सकती है।

केस 2: रूपलाल : जावर माईंस के निकट एक गाँव का बालक रूपलाल चौथी कक्षा का विद्यार्थी है। लगभग 2 माह पूर्व उसकी एक आँख में अपने आप सुजन होकर दिन–ब–दिन बढ़ती ही गई। एक महीने पहले से लगभग दिखना ही बंद हो गया। बालक और परिवार सारा परेशान कि क्या करें, लॉक–डाऊन का समय चल रहा था। अब सब खुलते ही रूपलाल को उसका चाचा जिसने तारा का नाम सुन रखा था तुरंत तारा नेत्रालय ले आया। यहाँ डॉक्टर ने जाँच के पश्चात् बताया कि मरीज को बहुत पहले से ही इलाज मिल जाना चाहिये था लेकिन चलो देर आए, दुरस्त आए। तारा नेत्रालय, उदयपुर ने रूपलाल का ईलाज कर उसके दृष्टि दोष को दूर कर दिया है।

कोरोना संकट के दौरान लॉकडाउन से प्रभावित कुछ महिला लाभार्थियों की मुसीबतों का संक्षिप्त विवरण

धापू बाई : तीन छोटे–छोटे बच्चों की माँ धापू बाई के पति की लगभग 5 साल पहले दुर्घटना में मृत्यु हो गई तब से तारा संस्थान लगातार पिछले 5 वर्षों से धापू बाई को तृप्ति योजना के अंतर्गत मासिक राशन की सहायता करती आ रही हैं। कोरोना संकट के दौरान अचानक लॉकडाउन लगने से अनेक लाभार्थी तारा संस्थान के कार्यालय मासिक राशन प्राप्त करने घर से नहीं निकल पाए। धापू बाई भी उनमें से एक प्रभावित स्त्री है। धापू बाई ने बताया लॉकडाउन के दौरान 2 महीने घर से नहीं निकल पाने के कारण वह राशन नहीं ले पाई। इससे उसके घर पर खाने पीने की समस्या उत्पन्न हो गई, नकदी नहीं होने के कारण गैस की भी समस्या आन पड़ी। धापू बाई ने बताया कि उसने जैसे तैसे उधारी लेकर घर पर खाने पीने का की व्यवस्था करके काम चलाया। अब जाकर 2 महीने बाद से तारा संस्थान द्वारा राशन घर से निकलकर संस्थान के कार्यालय से प्राप्त कर सकी है। उसने कहा कि बड़ी मुश्किलों से दिन गुजरे हैं तारा संस्थान ने पुनः बुलाकर बड़ी मदद कर दी है। तारा संस्थान की आभारी है एवं तारा संस्थान के दान दाताओं को धन्यवाद अर्पित करती है।

उदी बाई : उदी बाई निकट के गाँव में रहती है। उसे भी तारा संस्थान की तरफ से योजना के अन्तर्गत राशन प्राप्त करने के लिए यहां बुलाया जाता था लेकिन अचानक लॉकडाउन की समस्या आई तो वह बड़ी परेशान हो गई। वह कहती है कि उसने कई बार घर से निकलने की कोशिश की लेकिन कुछ सरकारी लोग उसे बाहर नहीं जाने देते थे, कहते थे, कि नहीं निकलना है क्योंकि बहुत बड़ी बीमारी का संकट छाया हुआ है। उदी बाई को कुछ समझ में नहीं आया कि आखिरकार यह क्या समस्या हो गई है लेकिन उसने सोचा कि खाने पीने की व्यवस्था तो जैसे–तैसे करनी पड़ेगी तो उसने पास के दुकानदार से उधार लेकर दो जून की रोटी की व्यवस्था की। उसने कहा कि भले ही एक समय का खाना मिले लेकिन जिंदा तो रहना ही होगा, संकट का समय तो जैसे–तैसे निकालना ही होगा। 2 महीने बाद उदी बाई को तारा संस्थान की तरफ से फोन आया की वह अब राशन लेने तारा संस्थान पर आ सकती हैं। उदी बाई को पूर्ण विश्वास था कि ऐसी अच्छी खबर उसे जरूर मिलेगी, और हुआ भी वही। वह तारा संस्थान पहुंची और पिछले 2 महीने का राशन प्राप्त कर अति प्रसन्न हुई और उसने तारा संस्थान को बहुत–बहुत धन्यवाद दिया।

गोपी बाई : उपरोक्त दोनों स्त्रियों की भांति गोपी बाई के साथ भी लॉकडाउन के दौरान ही समस्या पैदा हो गई कि घर से बाहर कैसे निकले। लोग तो मना ही था करते थे कि बाहर नहीं निकलना है वरना मर जाओगी, बीमारी आ गई है। ऐसी स्थिति में गोपी बाई ने आटा चक्की से उधार लेकर संकट के समय को गुजारा। वह कहती है कि उसे पूरा भरोसा था कि तारा संस्थान एक दिन पुनः उसकी मदद करेगा और पुनः तारा संस्थान से अपने राशन के सामान को लेने के लिए उपस्थित हुई और तारा संस्थान को अनेकों धन्यवाद देते हुए प्रसन्न हुई कि शायद संकट का समय निकल गया है।

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता) 01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

प्रभु के बिना बिता दिन व्यर्थ जाता है।

3-4 महीने लॉकडाउन में तारा संस्थान की मदद से ही जीवित रहे: श्रीमती भूरी बावरी

भूरी बावरी के घर में वह और उसका एक पुत्र ही है। भूरी लोगों के घर में झाड़ू–पौंछा करके जीवन यापन करती थी लेकिन 25 मार्च, 2020 को लॉकडाउन के कारण लोगों ने काम पर बुलाने से मना कर दिया। भूरी के पास कोई जमा पूंजी नहीं था। उसके पति की मृत्यु बहुत पहले हो चुकी थी और सास–ससुर भी नहीं रहे। वह और एक स्कूल जाता लड़का ही है घर में। उसके पीहर में भी पिताजी कुछ समय पहले ही गुजर चुके थे एवं भाई भी आखिर कब तक मदद करते। तो ऐसी स्थिति में तारा संस्थान की मासिक पेंशन के 1 हजार रुपए बहुत काम आए। उसके पास काम न होने के बावजूद वह जैसे–तैसे स्वयं व बच्चे के खान–पान का बंदोबस्त कर पाई। लॉकडाउन के 3 महीने में जब सब कुछ ठप्प पड़ा था तब भी भूरी बावरी को तारा संस्थान से लगातार मासिक 1 हजार रु. उसके खाते में जा रहे थे जो एक बहुत बड़ा सहारा था। भूरी बाई कहती है कि तारा संस्थान से न सिर्फ नकद राशि बल्कि सिलाई मशीन भी दी गई जिसकी मदद से भी वह कुछ कमा लेती है इसके अतिरिक्त उसे समय–समय पर अन्य प्रकार की सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है जैसे बर्तन व कपड़े लत्ते इत्यादि। अति आभारी भूरी बावरी तारा के दानदाताओं को कोटि–कोटि धन्यवाद देती है और कहती है कि शायद पिछले जन्म में उसके किसी पुण्य की वजह से तारा संस्थान उसकी मदद कर रही है। इस मदद के चलते वह पहले की उलट 2 बार सब्जी बना पाती है और बच्चे की ट्यूशन फीस भी भर पा रही है। बहुत–बहुत धन्यवाद तारा संस्थान।

कोरोना महामारी के दौरान आपकी सहायता ने हमें बचाया: श्रीमती कमलेश कुँवर

36 वर्षीया कमलेश कुंवर के पति की मृत्यु तीन साल पहले हार्ट अटैक से हो गई। जब तक पति जिंदा थे तो घर बार चलाने में कभी कहीं कोई समस्या नहीं थी लेकिन पति की मृत्यु के बाद अचानक मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। कमलेश कुंवर के सास ससुर भी बहुत वर्षों पहले गुजर चुके थे वह घर में अकेली पालक हैं उसके दो छोटे–छोटे बच्चे हैं, एक बच्चा नौवीं क्लास में और एक बच्ची तीसरी क्लास में पढ़ते हैं। कमलेश को कहीं कोई मदद नहीं मिल पा रही है, कोई निकटतम रिश्तेदार अभी आस–पास नहीं है। वह कुछ छोटी–मोटी नौकरी करके अपने बच्चों का पालन–पोषण तथा स्कूल का खर्चा जैसे–तैसे निकाल लेती है। वह परेशान होकर कहती है कि मैं तो गांव– परिवार के किसी धार्मिक आयोजन में भी शामिल नहीं होती हूं क्योंकि मेरे पति भी बड़े मजे से धार्मिक आयोजन करते वक्त ही अचानक हार्ट अटैक से गुजर गए तो लगता है कि इस दुनिया में भगवान है भी कि नहीं? अकेले में बैठे–बैठे बहुत रोना आता है, काश वह होते तो कोई सहारा होता। बेटा तो बड़ा हो गया है, समझता है लेकिन बेटी पिताजी के बारे में पूछ पूछ कर परेशान होती है। अगर पति जिंदा होते तो मुझे यह छोटे–मोटे काम करके जिंदगी गुजारने की नौबत नहीं आती लेकिन क्या करें, जीवन तो गुजारना ही पड़ेगा, इन छोटे–छोटे बच्चों की खातिर। छोटी सी नौकरी है ऊपर से चार हजार रु कमरे का किराया भी देना पड़ता है तो कभी–कभी स्थिति बड़ी और नाजुक हो जाती है कि कैसे कहां से व्यवस्था करें और जब तारा संस्थान ने अपनी गौरी योजना के तहत कमलेश कुँवर को 1000 रु. की मासिक पेंशन देना शुरू की है तो वह कहती है कि इससे काफी कुछ सहारा मिल गया है कम से कम बच्चों के स्कूल का कुछ खर्चा तो निकल ही जाता है। तारा संस्थान को धन्यवाद देते हुए कमलेश कुँवर कहती है कि आपने कोरोना महामारी के दौरान जो मदद की उससे जीवित रहना आसान हो गया वरना कहीं नौकरी वगैरह भी तो नहीं थी। भगवान आपका भला करें, दानदाताओं को बहुत–बहुत धन्यवाद।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता) 01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

कोरेना महामारी में लॉकडाउन से प्रभावित निर्धन परिवारों को राशन :
वितरण स्थल पर कुछ लाभार्थियों से बातचीत के अंश

तारा		लाभार्थी
क्या नाम है आपका?	–	महादेव
क्या काम करते हो?	–	ये प्याज बेचता हूँ। चक्की पर काम करता था पर लॉकडाउन में चक्की वाले ने निकाल दिया।
घर में कितने सदस्य हैं?	–	दो लड़की, दो लड़का है।
छोटे–छोटे हैं या बड़े हैं?	–	हाँ, छोटे-छोटे हैं।
तो फिर गुजारा कैसे किया आपने दो महीने तक?	–	क्या करूँ, आलू और प्याज बेचता हूँ मंडी से लेकर।
तो फिर दिक्कत तो हुई होगी आपको?	–	क्या करूँ ?
कोई बात नहीं आप परेशान मत होइए, रोइए मत आप ये सामान आपको तारा संस्थान की तरफ से भेजा गया है।	–	हमारा धन्यवाद उनको, सौ साल की उम्र करें भगवान उनकी।

तारा		लाभार्थी
क्या नाम है आपका?	–	मीरा
क्या काम करते हो?	–	घर में झाड़ू-पोंछा, बर्तन करने जाती थी पर वो भी अभी बंद है।
कितने महीने से?	–	तीन महीने हो गए हैं बुला ही नहीं रहे हैं काम पर।
क्यों नहीं बुला रहे हैं?	–	वो कहते है कि कोरोना हो जाएगा इसलिए नहीं बुला रहे हैं।
घर में कितने लोग हैं?	–	पाँच लोग हैं।
आपके पति क्या करते हैं?	–	ट्रेक्टर चलाते हैं।
तो वो अभी चला रहे हैं?	–	नहीं बंद है वो भी।
अभी आपको कितने दिनों से खाने – पीने की परेशानी आ रही थी?	–	परेशानी तो पूरे महीने से आ रही थी किसी तरह यहाँ–वहाँ से इंतजाम करके चला रही हूँ।
तारा संस्थान से आपको यह सामान भेजा गया है। उसके लिए आप क्या कहना चाहोंगे?	–	बहुत धन्यवाद कहना चाहूँगी।

700 रु. प्रति परिवार कृपया मदद करें 10 कि.ग्रा. गेहुँ, 2 कि.ग्रा. चावल, 2 कि.ग्रा. शक्कर, 2 कि.ग्रा. तेल, 500 ग्राम चाय पत्ती 1000 - परिवारों को प्रतिमाह 3 माह तक दिया जाएगा।

05 परिवार को सहयोग राशि-3500 रु., 16 परिवार को सहयोग राशि-11000 रु., 30 परिवार को सहयोग राशि-21000 रु.

प्रभु को जानो, शांति को जानो।

सावधान

ठंड का मौसम शुरू होने के साथ ही भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ सकते हैं।

Second Wave of Corona: कोरोना वायरस महामारी के बारे में बार–बार अटकलें लगायी जा रही हैं कि, सर्दियों का मौसम शुरू होते ही यह महामारी और विकराल (Coronavirus in Winter Season) हो सकती है। कई देशों ने बयान भी दे दिया है कि उनके क्षेत्र में कोरोना की 'सैकंड वेव' (Second Wave of Coronavirus) आ सकती है। देशों ने अपने नागरिकों को आगाह किया है कि सर्दी में कोरोना के मामले बढ़ सकते हैं। खतरे को देखते हुए लोगों से अपील है कि वे मास्क जरूर पहनें।

सावधानी बरतना ही है सुरक्षा का उपाय:

एक्सपर्ट्स के अनुसार कोरोना वायरस के व्यवहार में आए बदलाव से निपटने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। इसीलिए अपनी जिम्मेदारी समझते हुए लापरवाही से बचें। इन बातों का ध्यान रखें :–

- **सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें।**
- **मास्क पहनकर ही घर से बाहर निकलें।**
- **किसी भी चीज को छूने के बाद अपने हाथों को पानी और साबुन से साफ करें।**
- **ऑफिस और काम की जगह पर लोगों से सुरक्षित दूरी बरतें, मास्क पहनकर ही डेस्क पर काम करें।**
- **इस दौरान बाहर की चीजें खाने-पीने से बचें।**
- **घर का बना खाना खाएं।**
- **कोरोना वायरस के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें।**

समाचार संक्षेप

निःशुल्क रेटिना (आँख के पर्दे) जाँच शिविर

तारा संस्थान में रेटिना (आँखों के पर्दे) का निःशुल्क जाँच शिविर आयोजन हर माह किया जा रहा है। जिसमें कई असहाय लोग जो की आँखों की गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं उन सभी का निःशुल्क जाँच एवं उपचार होता। तारा संस्थान में रेटीना (आँखों के पर्दे) के लिए अगला निःशुल्क जांच शिविर नवम्बर प्रथम सप्ताह में संभावित है। कोई भी सज्जन जो आँखों के पर्दे की समस्याओं से पीड़ित है वह निम्न समय नंबर पर संपर्क कर सकते हैं : 95493 99993, 96493 99993

6 अक्टूर, 2020 को तारा नेत्रालय, उदयपुर ने अपने संचालन के 9 वर्ष पूर्ण किए। इस दौरान तारा नेत्रालय, उदयपुर ने 495106 (ओपीडी) और 31449 मोतियाबिन्द ऑपरेशन निःशुल्क किए। तारा संस्थान अपने दानदाताओं के सहयोग व डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ व समस्त उदयपुर वासियों को उनकी शुभेच्छा हेतु धन्यवाद अर्पित करता है कि उनके सहयोग से ही नेत्रालय इस मुकाम तक पहुँच पाया है।

06.10.2020

03.08.2020

उदयपुर, प्रयागराज व फरीदाबाद में तारा संस्थान द्वारा संचालित आनंद वृद्धाश्रमों में निवासरत आवासियों ने रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ में मनाया।

08.08.2020

तारा संस्थान संचालित राजकीय वृद्धाश्रम बलीचा में रामवती जी पुरुषोत्तम जी की तरफ से बुजुर्गों हेतु भोजन महाप्रसाद प्रायोजित किया गया। आप महानुभाव भी इसी प्रकार के कार्यक्रम प्रायोजित करने हेतु सम्पर्क करेः तारा संस्थान : 95493 99993

बाहर का सुकून भीतर के परमात्मा को जानने से आता है।

11.08.2020

श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम उदयपुर में एक गीतों भरी शाम का आयोजन रखा गया जिसमें अनेक आवासियों ने एक से बढ़कर एक नग़में सुना कर शाम को आनन्दमयी बना दिया।

12.08.2020

राजकीय वृद्धाश्रम, बलीचा उदयपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाते वृद्धजन।

15.08.2020

तारा संस्थान द्वारा संचालित उदयपुर, प्रयागराज व फरीदाबाद स्थित वृद्धाश्रमों में 74वाँ स्वाधीनता दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया।

22.08.2020

श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम, उदयपुर में गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर गणपति की आरती, चालीसा का पाठ और प्रसाद में लड्डू का वितरण किया गया।

26.08.2020

तारा संस्थान में महिला समानता दिवस पर रंगोली प्रतियोगिता की गई

26.08.2020

तारा संस्थान द्वारा संचालित श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम सेक्टर – 14 में " स्व. श्री कृष्णदास पारख जी" की पुण्य तिथि के अवसर पर "श्री दिलीप पारख जी" निवासी उदयपुर की तरफ से बुजुर्गों हेतु भोजन (महाप्रसाद) प्रायोजित किया गया। आप सभी महानुभाव भी इसी प्रकार के कई आयोजन करने हेतु सम्पर्क कर सकते हैं : 9549399993

28.08.2020

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त उदयपुर की बेटी जादूगर आंचल कुमावत ने श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के मनोरंजन हेतु मैजिक शो किया जिसमें उन्होंने तरह तरह के करतब दिखाकर वृद्धाश्रमवासियों की खुब वाह–वाही लूटी।

05.09.2020

श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम सेक्टर – 14 में, उदयपुर ''स्व. श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल जी'' के तृतीय श्राद्ध पक्ष पर बुजुर्गों हेतु भोजन (महाप्रसाद) प्रायोजित किया गया। आप सभी महानुभाव भी इसी प्रकार के कई आयोजन करने हेतु सम्पर्क कर सकते है।

05.09.2020

तारा संस्थान द्वारा संचालित शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया गया जिसमें टीचर्स को उपहार दिए व सम्मानित किया गया।

13.09.2020

तारा संस्थान के संरक्षक डॉक्टर जे.पी. शर्मा सा. (निवासी दिल्ली) व आपकी पोती सुश्री कृति शर्मा द्वारा श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम का दौरा किया गया एवं आपश्री द्वारा श्राद्ध पक्ष में 13, 14 और 15 सितंबर को वृद्धाश्रम वासियों को भोजन का सौजन्य किया गया। आपश्री ने वृद्धाश्रम वासियों के साथ अपना समय बिताया व संस्थान विजिट किया।

17.09.2020

तारा संस्थान द्वारा संचालित ''ओम दीप वृद्धाश्रम'' फरीदाबाद में 17 सितंबर 2020 अमावस्या के अवसर पर श्राद्ध पक्ष में ''श्री बी. डी. भाटिया'' निवासी फरीदाबाद (हरियाणा) द्वारा बुजुर्गों हेतु भोजन (महाप्रसाद) का आयोजन किया गया। आप सभी महानुभाव भी इसी प्रकार के कई आयोजन करने हेतु सम्पर्क कर सकते है। तारा संस्थान : 95493 99993, 96493 99993

17.09.2020

प्रस्तावित नवीन ''ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम'' के निर्माण की नवीन तस्वीरें। गौरतलब है कि तारा संस्थान के वृद्धाश्रमों की श्रृंखला में यह चौथा होगा जब कि उदयपुर, प्रयागराज व फरीदाबाद में पहले से संचालित है।

घोर विपदा के समय सिर्फ प्रभु ही हमारे रक्षक होते है।

21.09.2020

पुत्र ने जन्म दिवस पर पिताजी को सरप्राइज दिया। मुम्बई के दानदाता श्री निरंजनजी मलसीसरिया के उनके 75वें जन्म दिवस पर उनके बेटे श्री पुरुषोत्तम जी ने उनको बिना बताए दान भेज कर पिताजी को सरप्राइज दिया। इस अवसर पर उनके पुत्र श्री पुरुषोत्तम जी ने श्री निरंजनजी की तरफ से श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम, उदयपुर में एक कार्यक्रम रखा जिसमे वृद्धाश्रम वासियों ने केक काटकर श्री निरंजनजी मलसीसारिया को बधाइयाँ दी व उनके दीर्घायु होने की कामना की।

29.09.2020

श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम उदयपुर में आज वर्ल्ड हार्ट डे मनाया गया जिसमें डॉक्टर श्री हरीश माथुर द्वारा वृद्धाश्रम आवासियों को हृदय संबंधित बीमारियों तथा उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

01.10.2020

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर श्रीमती कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम उदयपुर में जिला प्रशासन, सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग तथा तारा संस्थान, उदयपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें वृद्धजनों का सम्मान एवं सत्कार किया गया।

प्रिंटेड रसीद छोड़े, वृक्ष बचाएँ

इस धरा के एक जिम्मेदार वासी होने के कारण हम सभी का उत्तरदायित्व है कि पर्यावरण रक्षा हेतु प्रयत्न करें। यदि आपको रसीद की प्रिंट नहीं चाहिए तो कृपया इस नम्बर 9549399993, 9649399993 पर सूचित करें। एक कागज बचाने से भी हम कुछ वृक्षों को बचा ही सकते हैं। आपका और हमारा छोटा सा प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगा।

अपने मोबाइल से स्कैन कर हाथों हाथ सहयोग भेजें।

UPI
UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपना सहयोग भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) .... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में ....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये .... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर ....

दिनांक .... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) .... पिता (नाम) ....

निवास पता ....

लेण्ड मार्क .... जिला .... पिन कोड .... राज्य ....

फोन नम्बर घर / ऑफिस .... मो.नं. .... ई–मेल ....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

Thanks : ## NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Chirag Jain & Riddam Jain
Hira Moti, Ludhiana (Punjab)

Mr. Tara Chand Jain - Mrs. Sushila Bai
Udaipur (Raj.)

Mr. Devdutt - Mrs. Urmila Devi Sharma
Sector 14, Udaipur (Raj.)

Lt. Mr. Bihari Lal - Mrs. Tripta Sapru
Ujjain (MP)

Mrs. & Mr. Raghunath Chauhan
Ujjain (MP)

Mr. B.S. Shukla - Mrs. Vimlesh Shukla
Sector 5, Udaipur (Raj.)

Mr. Tejilal Mishra - Mrs. Urmila Mishra
Jhansi (UP)

Mr. Ashok Agrawal - Mrs. Nirmala Agrawal
Alwar (Raj.)

Lt. Mr. Kulbhushan - Mrs. Madhu Bala Sharma
Hoshiarpur (Punjab)

Mr. Ashok Jhalani - Mrs. Usha Jhalani
Jaipur (Raj.)

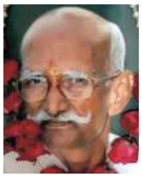
Lt. Mr. Seeta Ram Ji Bamb
(Bhamod Wale), Jaipur

Lt. Mr. Baldev Sahi Ji,
Janakpuri, New Delhi

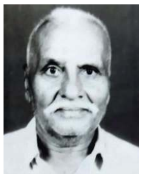
Mr. Shiv Pujan Ram
Raj Yadav, Varanasi (UP)

Dr. Sandhya Tyagi
Jaipur (Raj.)

Mr. Sandeep Jindal
Udaipur (Raj.)

Lt. Mr. Praveen Vyas
Ratlam (MP)

Mr. Jeetmal Kothari
Ajmer (Raj.)

Lt. Mr. Mangal Chand Jain
Bangalore

''तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया''

श्रीमती एवं श्री एम.डी. वर्मा
जयपुर (राज.)

श्री मुकेश जी, श्री सतीश जी कोठारी एवं परिवार
सूरत (गुज.)

श्री राघव भाई देसाई एवं परिवार
मोरबी (गुज.)

श्री जगदीश त्रिलोक
चांदनी, पुणे (महा.)

श्री बिमल चन्द दुजारी
सिकन्दराबाद

श्री जगदीश प्रसाद
सोमानी, किशनगढ़ (राज.)

श्री शुभम संजय जैन
पुणे (महा.)

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री सुरेश चन्द्र जी जैन
कानपुर (उ.प्र.)

स्व. श्रीमती शांति देवी जी
मुम्बई

स्व. श्री दिनेश जी कोठारी
मुम्बई

स्व. श्री दिलीप जी बर्वे
रतलाम (म.प्र.)

उपरोक्त दिवंगत महानुभाव तारा संस्थान के नियमित दानदाता थे एवं संस्थान के साथ धनिष्टता से जुड़े हुए थे। इनके देवलोगमन से तारा संस्थान को अपूरणीय क्षति हुई है। तारा परिवार ईश्वर से प्रार्थना करता है कि इन दिवंगत आत्माओं को शांति तथा उनके परिवारों को इस दुःख की घड़ी में सम्बल प्रदान करें।

Our Preraks हमारे प्रेरक

Mrs. Parmod Mehra - Mr. Amrish Mehra
Flat No. 801 A Block Platinum Height
Sec 8 Ramprastha Green Vaishali
Ghaziabad (U.P.) 201010
Mob. 8368658437, 9313363757

Mr. Ravi Sankar Arora
H. No. 4/1461, Gali No. 2,
Shalimar Park, Shahdra, Delhi-32
Mob. 9810774473

Mrs. Kumud Sharma
B-30, Maunt Everest Society,
Plot No. 17, Sec-9, Dwarka,
New Delhi-77
Mob. 9810547565

Mrs. Chander Kwatra
WZ-1881, G Floor,
Multani Mohlla, Rani Bagh,
Near Krishna Mandir, Delhi-3
Mob. 9971332943

उलझनों को समाप्त करो तो उज्ज्वल बन जायेंगे।

Tara

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner
Cell : 07821855740

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Santosh Sharma
Area Mumbai
Cell : 07821855751

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101, Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban)	A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045
State Bank of India	A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank	A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank	A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank	A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank	A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India	A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank	A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

Tara Netralaya - Udaipur
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.) 313002, Mob. No. +91 9649399993

Tara Netralaya - Delhi
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. No. +91 9560626661

Tara Netralaya - Mumbai
Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (Maharashtra)
Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad
Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D, N.I.T., Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

Tara Netralaya - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney,
Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road,
Banthla Loni, Gaziabad (U. P.)
Mob. No. +91 7821855750

Tara Netralaya - Ratlam
Smt. Vimla Mukhija Charitable Netra & General Clinic, Vimal Niwas, Street No. 1, Near Ujala Palace Hotel, Station Road, Ratlam (M.P.) 457001,
Mob. No. +91 7821855745

Smt. Krishna Sharma Anand Vrudhashram - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House) Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

Tara Sansthan Rajkiya Vruddhashram
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai Show Room, South Extension, Balicha, Udaipur (Raj.) - 313001

Ravindra Nath Gaur Anand Vrudhashram - Allahabad
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad-211022 (U.P.), Phone No. 0532-2465035

Om Deep Anand Vrudhashram - Faridabad
866, Sec - 15A, Faridabad - 121007 (Haryana) Mob. No. +91 7821855758

Shikhar Bhargava Public School
H.O. Bypass Road, Gokul Village, Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. No. +91 9636016973

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, अक्टूबर - 2020
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग - सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)	वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	मित्ति
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	3500 रु.
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	(एक समय)

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India A/c No. 31840870750	IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : UTIB0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : CBIN0283505
Punjab Nationa Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : PUNB0874300

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' रात्रि 8:20 से 8:40 बजे

'आस्था भजन' रात्रि 8:00 से 8:20 बजे

TARA SANSTHAN
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. नं. : +91 95493 99993, +91 96493 99993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org

बुक पोस्ट